जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 160 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 13 अप्रेल, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मैथ्यु गार्डनर और डेविड परेरा ने दो माह तक ग्रैंड बहामा आईलैंड के पाइन फॉरेस्ट (शंकु वनों) में बहामा नटहैच को खोजा, पर यह छोटी सी सफेद -भूरी चिड़िया नहीं मिली। ये जंगल, कभी बहामा नटहैच और बहामा वार्बलर के आवास हुआ करते थे, लेकिन, सन् 2018 तक वो पहले जितने हरे भरे नहीं रहे। कई वर्षों तक इन पक्षियों ने अतिक्रमण, जंगल की आग, घुसपैठिया प्रजातियों की समस्या को झेलते हुए अपने अस्तित्व को बचाकर तो रखा, पर ये फले-फूले नहीं। वर्ष 2016 में आऐ हरिकेन मैथ्यू, जिसने ग्रैंड बहामा आइलैंड को भारी नुकसान पहुंचाया, की मार नटहैच चिड़ियाँ नहीं झेल पाईं। शोधकर्ता, जो इंलैण्ड में नॉरविच की ईस्ट एंगलिया युनिवर्सिटी के विद्यार्थी हैं, जानते थे कि, दोनों पक्षियों की कमी हो गई है पर कितनी, यह जानने के लिए दोनों ने मीलों पैदल चलकर इनकी खोज की। उन्होंने जंगल में नटहैच और वार्बलर की आवाज़ों की रिकॉर्डिंग बजाई। लम्बी चोंच, काले सिर व काले पंखों वाली पीले रंग की वार्बलर ने रिकॉर्डिंग के साथ आवाज मिलाई। तीन माह में शोधकर्ताओं ने 327 बार वार्बलर को देखा या उसकी आवाज सुनी, पर नटहैच नहीं दिखी। हालांकि, उन्हें महसूस हो रहा था, कि वहीं कहीं नटहैच है ज़रुर। एक दिन उनका विश्वास सत्य साबित हुआ। गार्डनर ने बताया, "एक दिन जैसे ही हमने नटहैच की आवाज की रिकॉर्डिंग बजाई, हमने उसके जवाब में एक आवाज सुनी, फिर हमने देखा कि एक चिड़िया हमारी ओर आ रही थी, वह नटहैच ही थी।" इसके बाद उन्हें नटहैच 5 बार और दिखी। वर्ष 2018 में भी बहामा नटहैच की आबादी बहुत कम थी, लेकिन ऐसा नहीं था कि, इन्हें विलुप्ति से बचाया न जा सके। पर सितम्बर 2019 में हरिकेन डोरियन ने हालात और खराब कर दिए और उसके बाद से नटहैच नज़र नहीं आई हैं। इस तूफान से वार्बलर को भी भारी नुकसान हुआ, पूरे 24 घंटे तक 183 मील प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवाओं की वजह से बहामा को इतिहास का सबसे बुरा प्राकृतिक विनाश झेलना पड़ा। बहामा नटहैच कोऑपरेटिव ब्रीडर हैं जो बच्चे पालने के लिए पारिवारिक समूह पर निर्भर करती हैं, अगर परिवार नहीं होगा तो बच्चे कैसे पलेंगे। वहीं, समूह छोटा होगा तो अन्तःप्रजनन की संभावना बढ़ जाएगी, जिससे जैनेटिक डिस्ऑर्डर व रोगों का खतरा बढ़ सकता है। गार्डनर ने कहा, लम्बे अर्से से इनके नज़र आने की एक भी खबर नहीं सुनी है। यह स्वीकार करना बड़ा दर्दनाक है कि, बहामा नटहैच लुप्त हो गई हैं।

गहलोत ने सारे घोड़े खोल दिये पायलट को निकलवाने के लिये

उनके इस प्रयास में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, रंधावा तथा सहयोगी रोल है जयराम रमेश व पवन खेड़ा का

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अप्रेल। हताश और बेचैन अशोक गहलोत सचिन पायलट को पार्टी से निष्कासित करवाने के भरसक प्रयत्न कर रहे हैं और इसके लिए रात-दिन एक कर रहे हैं।

समूचे मीडिया और सोशल मीडिया में पिछले दो दिन से ऐसी खबरों की भरमार है कि पायलट को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। इन खबरों ने उनके समर्थकों को भयभीत कर दिया था।

अशोक गहलोत की शह पर अग्रिम पंक्ति के जो लोग सक्रिय हैं उनमें से एक है राजस्थान के ए.आई.सी.सी. प्रभारी महासचिव रंधावा।

रंधावा ने आज कहा कि सचिन पायलट के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी, लेकिन वह यह उत्तर देने में असमर्थ है कि यह कार्यवाही क्यों और किस लिए की जाएगी।

क्या वसुन्धरा जैसी एक भाजपा नेता को निशाना बनाने उन पर कार्रवाई किए जाने की मांग करने के कारण सचिन पायलट के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी?

जैसा कि एक सीनियर नेता ने इस पर चुटकी ली कि "वसुन्धरा के लिए भाजपा की तुलना में कांग्रेस में अधिक सिम्पैथी है।" रंधावा कहते हैं कि उन्होंने पायलट के बारे में खड़गे को ब्रीफ कर दिया है तथा कल सुबह एक अन्य मीटिंग की जाएगी।

इस शृंखला की एक अन्य कड़ी है, ए.आई.सी.सी. के मीडिया चेयरमैन जयराम रमेश। बताया जाता है कि रंधावा को यह बताने में जयराम ने प्रमुख भूमिका निभाई कि पायलट के अनशन को लेकर उन्होंने जो बयान जारी किया, उसमें "पार्टी विरोधी गतिविधियां" वाक्य भी जोड़ा जाए।

बताया जाता है कि जयराम रमेश ने ही उस पत्र का मसौदा तैयार किया, जिसमें कहा गया था कि सचिन पायलट को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जयराम रमेश ने ही रंधावा के, पायलट के अनशन के बारे में जारी व्यक्तव्य में "पार्टी विरोधी गतिविधि" शब्द जुड़वाये थे।
- आज रंधावा ने फिर कहा कि, पायलट के खिलाफ कार्यवाही होगी। पर, इसका जवाब उनके पास नहीं था कि, क्यों और किस लिये कार्यवाही होगी।
- क्या वसुंधरा राजे के "भ्रष्टाचार" के खिलाफ एक्शन की मांग उठाने के कारण पायलट के खिलाफ कार्यवाही होगी।
- इस अजीबोगरीब स्थिति पर, एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने टिप्पणी की कि, कांग्रेस में वसुंधरा राजे के लिये ज्यादा सहानुभूति है, बनिस्पत भाजपा के।
- ऐसा भी कहा जा रहा है कि, पहले तो जयराम रमेश ने स्वयं ही एक पत्र तैयार कर लिया था, जिसमें कहा गया था कि, पायलट की छुट्टी कर दी गयी है, पर, फिर शायद राहुल के कोप से भयभीत होने के कारण, यह पत्र "डिस्पैच" नहीं हुआ। बल्कि जयराम को शाम को कहना पड़ा कि, गहलोत व पायलट दोनों पार्टी के लिये "एसैट" हैं।
- इस सारे साजिश के वातावरण में खड़गे एक मूक दृष्टा हैं, तथा गांधी परिवार चुप है, और कोई कदम नहीं उठाया है इस प्रकरण में।
- इस "साजिश" के दौरान पायलट अविचलित हैं, तथा शुक्रवार को जयपुर आकर, जनसम्पर्क कार्यक्रम आगे बढ़ायेंगे, झुँझुँनूँ से 17 तारीख को।

इंगलैण्ड के प्र.मंत्री पर भारी दबाव है भारतीय मूल की होम सैक्रेटरी को बर्खास्त करने के लिये

होम सैक्रेटरी सुएला ब्रेवरमैन ने एक रिपोर्ट के आधार पर कहा था कि, बच्चों का यौन शोषण ब्रिटिश पाकिस्तानियों में सबसे ज्यादा होता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अप्रैल। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक पर पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश लोगों के खिलाफ गईं नस्लीय एवं विभाजनकारी टिप्पणियों को लेकर अपनी गृह मंत्री को पद से हटाने का दबाव है। ब्रिटिश पाकिस्तानियों के आक्रोशित आंदोलन के कारण गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमन की संसद सदस्यता समाप्त किए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है क्योंकि उन्हें हटाए जाने के तीखे स्वरों की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है।

- इस टिप्पणी के विरोध में प्र.मंत्री सुनक को 28,000 हस्ताक्षर वाली याचिका भेजी गयी है।

जैसा कि मीडिया को बताया गया, ब्रेवरमन की टिप्पणियों से सामुदायिक एकता के समाप्त होने और नस्लीय तनाव बढ़ने का खतरा है।

प्रधानमंत्री आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट को लिखे गए एक पत्र में कहा गया है कि सरकार की मंत्री होने के नाते उन पर सभी समुदायों के लिए धैर्य व आदरभाव बढ़ाने की जिम्मेवारी थी, लेकिन उनकी टिप्पणियां स्तरहीन हैं। किसी जन नेता की ऐसी अपमानजनक टिप्पणियां अस्वीकार्य हैं, जिनसे किसी पूरे समुदाय पर तोहमत लगती हो।

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पर यू.के. की बलात्कारी गैंग्स और पाकिस्तानियों के विरूद्ध की गई टिप्पणियों को लेकर अपनी गृह मंत्री ब्रेवरमन को तुरन्त प्रभाव से बर्खास्त करने का दबाव है। ब्रेवरमन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

पायलट-गहलोत विवाद पर आनंद शर्मा भी बोले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अप्रेल। राजस्थान के मुख्य मंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच विवाद के मुद्दे पर वरिष्ठ पार्टी नेता आनंद शर्मा भी बोले उन्होंने कहा कि इस पर कांग्रेस का रुख एकदम साफ है।

- वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने कहा कि, राजस्थान पर कांग्रेस का "व्यू" एकदम साफ है। हमारे लिए वृहद् राष्ट्रीय लक्ष्य ज्यादा महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हमारी लोकप्रिय सरकार है और एक मुख्यमंत्री है जो काम कर रहा है। अगर आप नीतियों को देखे तो हालिया योजनाएं और फैसले और बजट में घोषित योजनाओं का राजस्थान की जनता पर अच्छा प्रभाव पड़ा है।"

शर्मा ने कहा कि, हमारा पूरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने एन्टी इन्कम्बैन्सी से निपटने के लिये वही पुरानी, स्थापित रणनीति अपनायी

भाजपा ने कर्नाटक की लिस्ट में 52 नये चेहरों को टिकट दिया और आशा कर रही है कि, नये चेहरों पर एन्टी इन्कम्बैन्सी की मार नहीं पड़ेगी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अप्रैल। सत्तारूढ़ भाजपा कर्नाटक में 10 मई के विधानसभा चुनावों में सत्ता-विरोधी प्रवृत्ति को नकारने के लिये अपनी मानक कार्य-प्रणाली के साथ आगे आई है तथा चुनाव में उतारे गये 189 उम्मीदवारों की प्रथम सूची में 52 नये चेहरे शामिल कर दिये हैं।

जहाँ पार्टी हाई कमान तथा इसके कर्नाटक नेता यह मानकर चल रहे हैं कि यह एक ऐसी चुनावी रणनीति सिद्ध होगी, जो बासवराज बोम्मई सरकार का पुनरागमन सुनिश्चित करेगी, जिस पर कथित भ्रष्टाचार तथा अकुशल शासन को लेकर प्रहार होते रहे हैं, वहीं पार्टी

- पर, जिन पुराने विधायकों और नेताओं के टिकट काटे गये हैं वे काफी नाराज हैं, और सिरदर्द का कारण बन सकते हैं, भाजपा के लिये।

के "विद्रोही" हाई कमान की इस सोच को गलत सिद्ध करने के लिये खुलकर आगे आ गये हैं। जब पूर्व मुख्यमंत्री लक्ष्मण सवाड़ी को टिकट नहीं दिया गया तो उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद, बड़ा कठोर और जबरदस्त बयान देते हुये, उन्होंने घोषणा कर दी कि वे अगले चन्द घंटों में ही कोई सख्त निर्णय लेंगे। उनकी इस घोषणा के बाद, मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने उनसे आग्रह किया कि वे कोई त्वरित निर्णय न लें।

बुधवार को एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुये, सवाड़ी ने कहा, "मैं निर्णय ले चुका हूँ, मैंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का निर्णय ले लिया है।" अठानी से तीन बार विधायक रह चुके सवाड़ी ने कहा कि वे अपने निर्णय पर अगले शुक्रवार से काम करना शुरु करेंगे। उन्हीं की तरह, पार्टी के अन्य बहुत से विधायकों के टिकट भी पार्टी के एक अंदरूनी सर्वे के आधार पर काट दिये गये हैं। यह सर्वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका गांधी हैंडल करेंगी राजस्थान विवाद

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अप्रेल। कांग्रेस नेतृत्व राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के एक दिन के अनशन पर अनिर्णय की स्थिति में है। पायलट ने राज्य की पूर्व वसुंधरा राजे (भाजपा) सरकार के भ्रष्टाचार पर कार्यवाही करने की मांग करते हुए यह अनशन किया।

- समझा जाता है कि, राहुल गांधी ने खुद इस बारे में प्रियंका गांधी से आग्रह किया है। प्रियंका, जो ए.आई.सी.सी. महासचिव भी हैं, पूर्व में भी ऐसा कर चुकी हैं।

राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की पायलट से कोई मीटिंग नहीं हुई। पायलट बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले और उनसे राय मशविरा किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश बनेंगे विपक्षी मोर्चा के संयोजक?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अप्रैल। बिहार के महागठबंधन सहयोगियों की एक मीटिंग आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई। इसमें तर्क वितर्क कर यह सुझाया गया कि किसी गैर कांग्रेसी नेता

- विपक्षी नेताओं की बैठक में प्रस्तुत इस प्रस्ताव से अन्य विपक्षी दलों का यह डर मिट जाएगा कि, कांग्रेस "बिगब्रदर" की भूमिका निभाएगी, साथ ही बिहार में तेजस्वी का रास्ता साफ हो जाएगा।

(यानि कि नीतीश कुमार) को एक प्रस्तावित गठबंधन का संयोजक नियुक्त किया जाना चाहिए ताकि विपक्ष के खेमे का यह भय दूर किया जा सके। कांग्रेस इसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश कुमार व तेजस्वी यादव कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी से मिले दिल्ली में

मुलाकात के दौरान, जे.डी. (यू) के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह, आर.जे.डी. की ओर से राज्यसभा सदस्य मनोज कुमार झा व कांग्रेस के नेता सलमान खुर्शीद भी मौजूद थे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अप्रैल। वर्ष 2024 के आम चुनावों से पहले विपक्षी एकता कायम करने के सम्मिलित प्रयास के अन्तर्गत, आज दिल्ली में कांग्रेस, जनता दल-यूनाइटेड (जे.डी.यू.) तथा राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) के शीर्ष नेताओं की मीटिंग हुई, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा के विरूद्ध मिलकर लड़ने की संभावना तलाश की गई।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर आयोजित इस मीटिंग में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जे.डी. (यू.) नेता नीतीश कुमार तथा बिहार के उपमुख्यमंत्री तथा आर.जे.डी. प्रमुख तेजस्वी यादव उपस्थित थे। इनके अलावा जे.डी.यू. अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह, आर.जे.डी. के राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा तथा कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद भी इस मीटिंग में मौजूद थे।

मीटिंग के बाद मीडिया को संबोधित करते हुये, खड़गे ने कहा कि यह एक "ऐतिहासिक मीटिंग" थी तथा सभी नेताओं का उद्देश्य आगामी आम चुनावों के लिये सभी विपक्षी दलों को संगठित करना है।

- मीटिंग से पहले नीतीश, लालू यादव से मिलने गये, लालू की पुत्री मीसा के घर, जहाँ लालू यादव स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं दिल्ली में।
- खड़गे व राहुल गांधी ने विपक्ष की एकता स्थापित करने के लिये आयोजित इस बैठक को -"ऐतिहासिक" बताया।
- राहुल की सदस्यता रद्द होने के बाद, ममता बनर्जी का रूख भी नरम हुआ और उन्होंने विपक्ष के नेताओं का भाजपा के खिलाफ संगठित होने का आह्वान किया।
- केजरीवाल अभी असमंजस में हैं, उन्होंने पहेलीनुमा जवाब दिया कि, किसी व्यक्ति/पार्टी को हराने के लिये संगठित होने को जनता शुभ दृष्टि से नहीं देखती। तेलंगाना के मु.मंत्री चन्द्रशेखर राव अभी भी, विपक्ष का फ्रंट तो चाहते हैं, पर, उस फ्रंट में कांग्रेस को हिस्सा नहीं देना चाहते।

राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिये एक "ऐतिहासिक कदम" उठाया गया है। उन्होंने कहा कि "यह एक प्रक्रिया है, इससे देश की खातिर विपक्ष की सोच और नजरिया विकसित होगा।" उन्होंने आगे कहा कि देश और इसके संस्थाओं के खिलाफ चल रहे प्रयासों के खिलाफ, हम संगठित रूप से खड़े होंगे।

दिल्ली यात्रा पर आये बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश अधिक से अधिक दलों को एकजुट करने तथा मिलकर काम करने की है। कुमार ने कहा कि कुछ पार्टियों से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता की बेटी भी भाजपा में

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अप्रेल। पूर्व रक्षा मंत्री एवं गांधी परिवार के निष्ठावान ए.के. एंटनी के पुत्र अनिल एंटनी की तरह, जो कांग्रेस को धोखा देकर भाजपा में शामिल

- वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और विधानसभा के पूर्व स्पीकर कोडागु थिमप्पा की पुत्री डॉ. राजनंदिनी विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने से नाराज़ होकर भाजपा में चली गईं हैं।

हो गए थे, कांग्रेस के एक अन्य सीनियर नेता एवं कर्नाटक विधानसभा के पूर्व स्पीकर कोडागू थिमप्पा की पुत्री डॉ. राजनन्दिनी भी भाजपा में शामिल हो गई हैं। राजनन्दिनी को जब कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)